



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)

PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 317]

नई दिल्ली, सोमवार, जून 1, 2009/ज्येष्ठ 11, 1931

No. 317]

NEW DELHI, MONDAY, JUNE 1, 2009/JYĀISTHA 11, 1931

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 जून, 2009

सा.का.नि. 373(अ).—व्यापार चिह्न नियम, 2002 का संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप केन्द्रीय सरकार व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999 (1999 का 47) की धारा 157 की उप-धारा (2) के साथ पठित उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाने का प्रस्ताव करती है उक्त अधिनियम की उक्त उप-धारा द्वारा अपेक्षानुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, प्रकाशित करती है और इसके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप नियमों पर उस तारीख से जिसको भारत के उस राजपत्र की प्रतियां जिसमें यह अधिसूचना जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, पैंतालिस दिन की अवधि के अवसान के पश्चात् विचार किया जाएगा।

ऐसे आक्षेप और सुझाव पर जो उक्त प्रारूप नियमों के संबंध में ऊपर विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति के भीतर किसी व्यक्ति से प्राप्त हो सकेंगे, केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

आक्षेपों और सुझावों को संयुक्त सचिव, औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, उद्योग भवन, नई दिल्ली को भेजे जा सकेंगे।

प्रारूप नियम

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम व्यापार चिह्न (संशोधन) नियम, 2009 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. व्यापार चिह्न नियम, 2002 में (इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) नियम 62 के उप-नियम (3) में निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किये जाएंगे, अर्थात् :—

“परंतु यह है कि यदि रजिस्ट्रार साक्ष्य द्वारा समर्थित रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी की दावे से समाधान हो जाता है कि उप-नियम (1) के अधीन जारी किया गया रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी द्वारा प्राप्त नहीं किया गया है तो वह बिना किसी और फीस संदाय के रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र की दूसरी प्रति या और प्रति जारी कर सकेगा :

परंतु यह और भी कि रजिस्ट्रीकरण के प्रमाण-पत्र की ऐसी दूसरी प्रति या और प्रति जारी नहीं की जाएगी जहां ऐसा अनुरोध रजिस्ट्रीकरण के नवीनीकरण और रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न के प्रत्यावर्तन की समय सीमा की समाप्ति के पश्चात् प्राप्त किया गया है।

3. उक्त नियम प्रथम अनुसूची के सामने प्रविष्टि संख्या 60 के प्रथम स्तंभ की मद (ख) में “प्रत्येक पंद्रह मिनट” शब्दों के स्थान पर “प्रत्येक पांच मिनट” शब्द रखे जाएंगे।

4. उक्त नियमों की चतुर्थ अनुसूची के बर्ग 42 के स्थान पर निम्नलिखित वर्गों को रखा जाएगा, अर्थात् :—

“42. वैज्ञानिक और प्रौद्योगिक सेवाएं और उनसे संबंधित अनुसंधान और डिजाइन; औद्योगिक विश्लेषण और अनुसंधान सेवाएं; कम्प्यूटर हार्डवेयर और साफ्टवेयर की डिजाइन और विकास।

43. अनाज और पेय देने के लिए सेवाएं; अस्थायी आवास।

44. चिकित्सा सेवाएं, पशुपालन सेवाएं, मानव अथवा पशुओं के लिए स्वच्छता और सौंदर्य की देखभाल; कृषि, बागवानी तथा वन उत्पाद सेवाएं।

45. वैधानिक सेवाएं; सम्पत्ति और व्यक्ति का संरक्षण करने के लिए सुरक्षा सेवाएं, व्यक्ति की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अन्य द्वारा की गई व्यक्तिगत और सामाजिक सेवाएं”।

[फा. सं. 8/44/2007-आईपीआर-IV]

गोपाल कृष्ण, संयुक्त सचिव

टिप्पण : मूल नियम भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खण्ड 3, उप-खण्ड (i) में सं. सा.का.नि. 114(अ), दिनांक 26 फरवरी, 2002 द्वारा प्रकाशित किए गए थे।

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Industrial Policy and Promotion)

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st June, 2009

G.S.R. 373(E).—The following draft of certain rules to amend the Trade Marks Rules, 2002 which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (2) of Section 157 of the Trade Marks Act, 1999 (47 of 1999), is hereby published as required by the said sub-section of the said Act, for information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft rules shall be taken into consideration after the expiry of a period of forty-five days from the date on which copies of the Gazette of India in which this notification is published, are made available to the public.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft rules within the expiry of the period specified above shall be considered by the Central Government. The objections or suggestions may be addressed to the Joint Secretary, Department of Industrial Policy and Promotion, Ministry of Commerce and Industry, Udyog Bhavan, New Delhi.

Draft Rules

1. (1) These rules may be called the Trade Marks (Amendment) Rules, 2009.
- (2) They shall come into force on the date of their final publication in the Official Gazette.

2. In the Trade Marks Rules, 2002 (hereinafter referred to as the said rules), in rule 62 in sub-rule (3), the following proviso shall be inserted, namely :—

“Provided that if the Registrar is satisfied with the claim of the registered proprietor supported by evidence that the certificate of registration issued under sub-rule (1) has not been received by registered proprietor, he may issue duplicate or further copies of the certificate of registration without any further payment of fee :

Provided further, no such duplicate or further copies of certification of registration shall be issued where such request is received after the expiry of the time limit for renewal of registration and restoration of the registered trade mark.”

3. In the said rules, in the First Schedule against Entry No. 60, in first column, in item (b), for the words “every fifteen minutes”, the words “every five minutes” shall be substituted.

4. In the said Rules, in the Fourth Schedule for class 42, the following classes shall be substituted, namely :—

- “42. Scientific and technological services and research and design relating thereto; industrial analysis and research services; design and development of computer hardware and software.
43. Services for providing food and drink; temporary accommodation.
44. Medical services, veterinary services, hygienic and beauty care for human beings or animals; agriculture, horticulture and forestry services.
45. Legal services; security services for the protection of property and individuals; personal and social services rendered by others to meet the needs of individuals”.

[F.No. 8/44/2007-IPR-IV]

GOPAL KRISHNA, Jt. Secy.

Note: The principal rules were published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) vide G.S.R. 114(E), dated 26th February, 2002.